

न्यूज़ इनबॉक्स

नेहा बोरा ने खुद को सीजेपी प्रोटेस्ट से किया अलग

नई दिल्ली (एजेंसी) । दिल्ली हाई कोर्ट में लेफ्ट छात्र संगठन आईसा को स्टूडेंट लीडर नेहा बोरा की उस याचिका पर सुनवाई हो रही है, जिसमें उन्होंने दिल्ली पुलिस के नोटिस को चुनौती दी है। सुनवाई के दौरान, नेहा बोरा ने कर्नाट प्लेस में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बुलाए गए प्रोटेस्ट से खुद को अलग कर लिया। बोरा के वकील ने कहा कि वह सेंट्रल पार्ट में अलग से बुलाए गए आह्वान में शामिल नहीं थीं। वहां दूसरे संगठन ने बुलाया था। मैं मंडी हाउस में अपने आह्वान से निपट रही थी। हाई कोर्ट में नेहा बोरा की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट शंकरनारायणन ने कहा, मैं एक बात साफ करना चाहता हूं कि वह एक अलग कॉल (सीपी सेंट्रल पार्क में) में शामिल नहीं हैं। उसे किसी दूसरे संगठन ने बुलाया था। वह (नेहा बोरा) उससे जुड़ी नहीं हैं, वह उसमें शामिल नहीं हैं। वह मंडी हाउस में मीटिंग करने के अपने ही कॉल से निपट रही हैं।

हैरी ब्रूक ने जड़ा वनडे इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक

रावलपिंडी (एजेंसी) । इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ वनडे त्रिकोणीय सीरीज के तीसरे मुकाबले में दोहरा शतक जड़ा। ब्रूक ने 200 रनों का आंकड़ा महज 114 गेंदों में छुआ, जिसके साथ वह वनडे फॉर्मेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस पारी के साथ ब्रूक वनडे पारी में 200 रन बनाने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज भी बन गए हैं। ग्लेन मैक्सवेल के बाद ब्रूक वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओपनर नहीं हैं। वनडे क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों में शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 117 गेंदों में ऐसा किया था। वहीं, ईशान किशन बांग्लादेश के विरुद्ध 126 गेंदों में यह कारनामा कर चुके हैं। ब्रूक से पहले ये रिकॉर्ड गिल के नाम ही था जो उन्होंने हाल ही में बनाया था, लेकिन ये रिकॉर्ड ज्यादा दिन तक नहीं टिक सका। वनडे इतिहास में सिर्फ 14 बार बल्लेबाजों ने दोहरा शतक लगाया है।

मैसुरु दशहरा के दौरान दलित मंत्रियों को पूजा से रोकने पर गहराया विवाद

बेंगलुरु (एजेंसी) । विश्व प्रसिद्ध मैसुरु दशहरा के ऐतिहासिक पर्व पर एक दुर्भाग्यपूर्ण और संवेदनशील घटना ने तूल पकड़ लिया है, जिससे कर्नाटक के राजनीतिक हलकों और सामाजिक संगठनों के बीच आक्रोश देखा जा रहा है। मैसुरु पैलेस परिसर में स्थित कोट आंजनेय स्वामी मंदिर के पास तैनात पुलिस अधीक्षक सी.बी. ऋध्यांत पर तीन दलित मंत्रियों को 'नंदी ध्वज पूजा' में शामिल होने से काथित तौर पर रोकने का गंभीर आरोप लगा है। इस घटना ने जनप्रतिनिधियों के सम्मान और सामाजिक न्याय के प्रति प्रशासनिक संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को घटना की उच्च-स्तरीय जांच करने का निर्देश दिया है। उधर, इस पूरे प्रकरण पर भाजपा नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया कि सामाजिक न्याय को लेकर राज्य सरकार का पाखंड उजागर हो गया है।

मंत्रियों के साथ तीखी बहस और सीएम का हस्तक्षेप प्रोटोकाल के अनुसार, मुख्यमंत्री के साथ आने वाले मंत्रियों और विधायकों को इस पारंपरिक अनुष्ठान में भाग लेने की अनुमति होती है। लेकिन, जब संस्कृति मंत्री शिवराज तंगदगी, कृषि मंत्री पी.एम. नरेंद्र स्वामी और मजदूरी मंत्री के.एस. बसावन्तेप्पा पूजा स्थल की ओर बढ़ रहे थे, तो पुलिस अधीक्षक ने उन्हें रोक दिया।

इस दौरान मंत्रियों और पुलिस अधिकारी के बीच तीखी बहस हुई, जिसके वीडियो इंटरनेट मीडिया वायरल होने के बाद जनता में भी खामसी नाराजगी है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अंततः मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने खुद हस्तक्षेप किया और अधिकारियों को मंत्रियों को पूजा में शामिल होने की अनुमति देने का निर्देश दिया। सीएम शिवकुमार बोले, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई प्रे्ट के अनुसार, इस पूरे घटनाक्रम से आहत सरकार ने इसे बेहद गंभीरता से लिया है।

मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने इस बात पर कड़ी नाराजगी जताई है कि मंत्रियों को उनके अधिकारों से वंचित करने का प्रयास किया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण का मतदान

प्रथम चरण में 68.29 प्रतिशत मतदान, झोटवाड़ा में सर्वाधिक 73.65 प्रतिशत मतदान दर्ज

जयपुर (कांस)। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के प्रथम चरण के तहत गुरुवार को जयपुर जिले की आठ पंचायत समितियों एवं जिला परिषद के 22 वार्डों में मतदान प्रक्रिया सम्पन्न हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि जयपुर जिले में कुल 7 लाख 43 हजार 640 मतदाताओं में से 5 लाख 7 हजार 796 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस प्रकार प्रथम चरण में कुल 68.29 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति-वार मतदान प्रतिशत के अनुसार चौमूं में 68.75 प्रतिशत, दूदू में 70.52 प्रतिशत, गोविंदगढ़ में 66.81 प्रतिशत, झोटवाड़ा में 73.65 प्रतिशत, जोबनेर में 69.62 प्रतिशत, किशनगढ़ रेनवाल में 62.87 प्रतिशत, मौजमाबाद में 71.44 प्रतिशत तथा सांभर में 65.45 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि अंतिम रिपोर्ट के अनुसार चौमूं में 95,289, दूदू में 46,779, गोविंदगढ़ में 68,066, झोटवाड़ा में 43,197, जोबनेर में 65,145, किशनगढ़ रेनवाल में 62,969, मौजमाबाद में 67,117 तथा सांभर में 59,234 मतदाताओं ने अपने

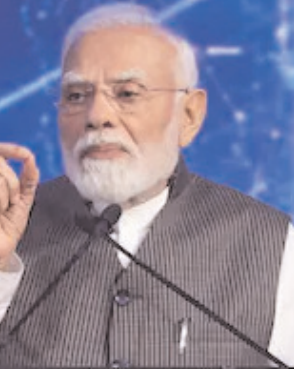


मताधिकार का प्रयोग किया। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक के निर्देशन में प्रथम चरण के मतदान के लिए आवश्यक निर्वाचन व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। मतदान दलों को 21 अक्टूबर को श्री भवानी निकेतन फार्मसी कॉलेज परिसर से ईवीएम एवं मतदान सामग्री के साथ निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया था। मतदान दलों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदान सम्पन्न कराने तथा निर्वाचन संबंधी दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। प्रथम चरण की मतदान प्रक्रिया के बाद पंच एवं सरपंच पदों के लिए 23 अक्टूबर को नामांकन प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। इसके बाद 24 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान होगा तथा 25 अक्टूबर को उपसरपंच का चुनाव कराया जाएगा। जयपुर में जिला परिषद के 22 वार्डों में और 8 पंचायत समितियों के सभी 146 वार्डों में वोट डाले गए। वोटिंग के बाद अब मत पेटियां सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन परिसर में बने स्ट्रिंग रूम में देर रात तक पहुंचाई जाएगी। 20 नवंबर को वोटों की कार्रवाई होगी।

पीएम मोदी का विपक्ष पर तीखा हमला, कहा- ‘कुछ लोग भारत में डिसऑर्डर के सपने देख रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्र.म. नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि दुनिया जहां नए ऑर्डर की तलाश में है। कुछ लोग भारत में डिसऑर्डर के सपने देख रहे हैं। कुछ लोग दुनिया में जाकर भारत को बदनाम कर रहे हैं। मोदी ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि पता नहीं कब तक कांग्रेस अपने फेल प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग के लिए देश को दांव पर लगाती रहेगी। मोदी नई दिल्ली में एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2026 में स्पीच दे रहे थे। यहां उन्होंने दुनिया की मौजूदा राजनीति, अर्थव्यवस्था, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और भारत की भूमिका पर बात की प्र.म. ने कहा कि कोरोना के समय जब दुनिया को सहयोग की जरूरत थी, तब सबने अपने स्वार्थ को प्राथमिकता दी। तब मैंने कहा था कि दुनिया के लिए एक नए वर्ल्ड ऑर्डर की जरूरत है।

आजकल नए वर्ल्ड ऑर्डर की चर्चा भी हर कोई कर रहा क्योंकि इसका असर आम लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। हमें समझना होगा दुनिया का वर्ल्ड ऑर्डर बदल क्यों रहा है। और इस बदलती दुनिया में भारत की भूमिका क्या है। दूसरे विश्व युद्ध ने दुनिया को एक बड़ा सबक दिया था। दुनिया ने समझा था कि सम्मान, सहयोग और विवादों का समाधान भी जरूरी है। इसी ने यूएन की नींव रखी। यूएन ने अपनी भूमिका तो निभाई लेकिन आज दुनिया के सामने नई चुनौती है। टेक्नोलॉजी ने दुनिया को पूरी तरह बदल दिया। पहले जो देश उस वक्त ग्लोबल ऑर्डर का हिस्सा नहीं थे अब वो भी वहां आ गए हैं। लेकिन यूएन के सामने आज की चुनौतियां साफ दिखाई देती हैं। क्यों जब दुनिया की समस्याएं बदल जाएं और समाधान का तरीका नहीं बदले तो दूरियां



दिखती हैं। और आज वही हो रहा है। आज ट्रेड वेपनाइजेशन का माध्यम बन रहा है, सी रूट आज जियोपॉलिटिकल टेंशन का केंद्र बन रहे हैं। इसलिए सुनौती ये है कि नई वास्तविकताओं को जगह कैसे मिले। यहां से भारत की भूमिका भी सामने आती है। 2020 में जब मैंने कहा था दुनिया के लिए एक नए वर्ल्ड ऑर्डर की जरूरत है।

यानी ऐसी व्यवस्था जिसके केंद्र में लोग हों। आज ये सवाल तो है ही कि वर्ल्ड ऑर्डर बदल रहा है तो लेकिन ये भी समझना जरूरी है कि हम कैसे इस बदलती दुनिया में बदलती आवाजों को भी मुख्यधारा का हिस्सा बना सकेंगे। हमारे यहां चाणक्य ने कहा है कि व्यवस्था कमजोर पड़ती है तो मत्स्य न्याय पैदा होता है। यानी बड़ी मछली छोटी मछली को निगल जाती है। भारत जितना मजबूत होगा दुनिया भी उतनी ही मजबूत होगी। भारत दुनिया की टॉप 3 अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की कोशिश कर रहा है। देश ने वो दिन देखे हैं जब बिजली की डिमांड बढ़ने पर पूरा ग्रिड बैठ जाया करता था। लेकिन जब देश एक साथ चलता है तो पावर ग्रिड बैठता नहीं है आगे बढ़ जाता है। दुनिया के आधे से ज्यादा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स भारत में हैं।

राजस्थान विवि के नवनियुक्त कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से की शिष्टाचार भेंट

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक उत्कृष्टता और शोध को बढ़ावा देने पर हुई चर्चा

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के नवनियुक्त कुलगुरु प्रोफेसर (डॉ.) भगवती प्रसाद सारस्वत ने जयपुर में आज मुख्यमंत्री आवास पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। प्रोफेसर सारस्वत ने मुख्यमंत्री शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रो. सारस्वत को राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलगुरु पद का दायित्व संभालने पर शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय शैक्षणिक उत्कृष्टता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में नई उपलब्धियां अर्जित करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा के सुदृढ़ीकरण, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा शैक्षणिक संस्थानों की उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रो. सारस्वत के नेतृत्व में राज विवि नई उपलब्धियां अर्जित करेगा। इस अवसर पर प्रो. सारस्वत ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर समन्वय और सहयोग को लेकर राज्य सरकार के साथ अपनी अपेक्षाएं व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।



चर्चा के दौरान कुलगुरु प्रो. बी.पी. सारस्वत ने राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में उच्च शिक्षा के विकास, विवि के सुदृढ़ीकरण और युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के अवसरों को बढ़ाने के प्रयासों को गति दी जाएगी, ताकि हमारे प्रदेश की

बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने तथा शिक्षकों एवं कर्मचारियों के सकारात्मक सहयोग से संस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर प्रो. सारस्वत ने मुख्यमंत्री से राजस्थान विवि के शैक्षणिक विकास, अनुसंधान, नवाचार तथा विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के व्यापक अवसरों को और अधिक सुदृढ़ बनाने से जुड़े विषयों पर चर्चा की एवं विवि में अकादमिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने तथा शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में संस्था की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान को सशक्त बनाने के अपने दृष्टिकोण से मुख्यमंत्री को अवगत करया। उन्होंने कहा कि विवि के विकास में सभी हितधारकों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन एवं राज्य सरकार की उच्च शिक्षा संबंधी प्राथमिकताओं के अनुरूप राजस्थान विश्वविद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में आगे ले जाने और विशिष्ट पहचान दिलाने के संकल्प के साथ यह शिष्टाचार भेंट संपन्न हुई।

पहले मैच में सैमसन-श्रेयस और नमन चमके

भारत का सबसे सफल चेज, न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर 1-0 की बढ़त बनाई

क्राइस्टचर्च (एजेंसी) । भारत ने न्यूजीलैंड को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 मैच में 4 विकेट से हराया। इसके साथ ही भारत ने टी20 इंटरनेशनल में अपना सबसे सफल रन चेज करते हुए इतिहास रच दिया है। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 225 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने संजू सैमसन के अर्धशतक, श्रेयस अय्यर और नमन धीर की दमदार पारियों की बदौलत दो गेंद शेष रहते अपना सबसे सफल रन चेज हासिल कर लिया। भारत ने 19.4 ओवर में 6 विकेट पर 230 रन बनाए। भारत को आखिरी ओवर में जीत के लिए 8 रन चाहिए थे। नमन धीर ने पहली गेंद पर चौका जड़ा और फिर चौथी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।

भारतीय टीम ने गुरुवार को टी20 इंटरनेशनल के इतिहास का अपना सबसे सफल रन चेज हासिल किया। टीम ने न्यूजीलैंड द्वारा मिले 226 रनों के लक्ष्य को आखिरी ओवर में सफलतापूर्वक चेज कर लिया। इससे पहले भारतीय टीम का सबसे सफल रन चेज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आया था, जहां पर भारत ने 2023 में 209 रनों के लक्ष्य को पाया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ भी 2026 में रायपुर में भारत ने 209 का लक्ष्य हासिल किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2019 में 208 रन और श्रीलंका के खिलाफ 2009 में 207 रन। जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ आकलैंड में 2020 में 204 रन पहली गेंद पर चौका जड़ा और फिर चौथी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।



बल्लेबाजी के बाद आखिरी ओवरों में नमन धीर की आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर भारत ने 5 मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से शिकस्त दी। भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। पहले फिन एलेन और ग्लेन फिलिप्स की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने 4 विकेट पर 225 रन बनाए।

इसके साथ ही उसने भारत के खिलाफ अपने सर्वोच्च स्कोर की बराबरी की। यह घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड का अब तक का सर्वोच्च स्कोर भी रहा। भारत ने 19.4 ओवर में 6 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। सैमसन ने 33 गेंदों में 8 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 67 रन बनाने के अलावा अभिषेक के साथ पहले विकेट के लिए 35 गेंदों में 93 रन की साझेदारी की। अभिषेक ने 12 गेंदों में 2 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 29 रन बनाए। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने 28 गेंदों में 42 रन की पारी खेलकर मध्यक्रम को संभाला। उन्होंने अक्षर पटेल (14 गेंदों में 24 रन) के साथ 24 गेंदों में 45 रन की साझेदारी कर भारत की मैच में वापसी कराई।

शादियों पार्टीयों के इस खुशनुमा मौसम में यह है ज्वेलरी का नया ट्रेंड

फेशन के गलियारों में बदलते ट्रेंड का असर हमारे दैनिक जीवन पर भी पड़ता है। खासतौर से, महिलाएं तो हमेशा ही लेटेस्ट ट्रेंड पहनने को बेताब रहती हैं। फिर चाहे बात कपड़ों की हो या ज्वेलरी की। महिलाएं हमेशा ही फैशनेबल दिखने की चाहत रखती हैं। इतना ही नहीं, घर से लेकर ऑफिस व पार्टी तक वह ऐसा कुछ पहनना चाहती हैं जो उन्हें दूसरों से हटकर दिखाए।

इयररिंग्स

अगर बात इयरिंग्स की हो तो हूप इयरिंग्स काफी चलन में हैं। वैसे हूप इयरिंग्स का फ्रेज पिछले साल भी काफी देखने को मिला था और इसकी पॉपुलैरिटी को देखते हुए इस साल भी यह ट्रेंड से आउट नहीं हुआ। इतना ही नहीं, यह घर से लेकर ऑफिस तक एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकते हैं



हालांकि पार्टी में इन्हें अर्वाइड करना ही बेहतर रहता है। इसके अतिरिक्त शॉइलीर इयरिंग्स शाम की पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट रहते हैं। यह लंबे हैंगिंग शिमरी स्टॉप्स युक्त इयरिंग्स होते हैं। इनके रॉयल लुक को देखते हुए ही इन्हें पार्टीवियर माना जाता है। अगर आप बेहद सिंपल व एलीगेंट दिखना चाहती हैं तो आपके लिए

स्टड विद पर्ल्स एक अच्छा ऑप्शन है। यह स्टड कभी भी फैशन से आउट नहीं होते। इस साल भी यह ट्रेंड में बने हुए हैं। इन सबके इयरकप्स को भी इन दिनों काफी तवज्जो दी जा रही है। इयरकप्स वैसे तो 1990 में ट्रेंड में आए थे लेकिन पिछले साल से इन्हें फिर से काफी पसंद किया जा रहा है। साथ ही अब ऐसे इयरकप्स

डिजाइन किए जा रहे हैं, जिन्हें पहनने के लिए आपको पियसिंग करवाने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही यह आपके पूरे कानों को कवर करते हैं।

ब्रेसलेट

इन दिनों ऐसे ब्रेसलेट का चलन है, जो सिल्वर मेटल के बने हों। साथ ही आजकल बेसिक मेटैरियल में लेंडर को भी एड किया जा रहा है। अगर बात डिजाइन की हो तो इसमें इंडियन, टर्किश व ग्रीक लुक को तवज्जो दी जा रही है। इन सबके अतिरिक्त इस साल क्रिस्टल्स, चैन व पतले धागे में लगे मोतियों का भी काम काफी हद तक सराहा जा रहा है।

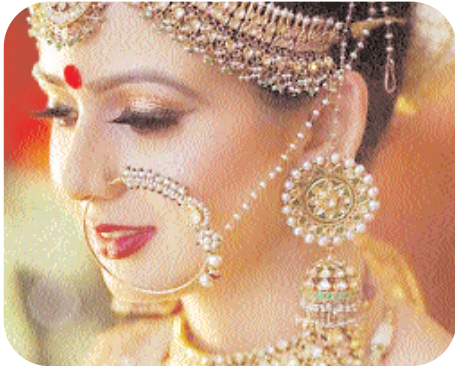
पेंडेंट

आजकल ऐसे पेंडेंट लोगों द्वारा पसंद किए जा रहे हैं, जिनमें कलर्ड लेटर्स या नंबर्स का

इस्तेमाल हो। इन नंबर्स को एक पतली गोल्ड चैन में लटकाकर पहना जा रहा है। यह वेट में हल्के होने के साथ-साथ बेहद अच्छा लुक देते हैं। इनके अतिरिक्त चोकर्स भी इन दिनों काफी ट्रेंड में हैं। इस ज्वेलरी की खासियत यह है कि यह वेट में हल्की होती है लेकिन देखने में यह काफी हवी लुक देती है। इसलिए इन्हें डेली वियर के अतिरिक्त पार्टी में भी पहना जाता है। वहीं पार्टी लुक के लिए स्मॉल पेंडेंट के स्थान पर स्टेटमेंट पेंडेंट व नेकलेस पहनना अच्छा रहता है। अगर आपको छोटे पेंडेंट पहनना ही पसंद है तो उन्हें पार्टीवियर बनाने के लिए आप तीन-चार पेंडेंट एक साथ पहनें जिससे पेंडेंट की लेयरिंग आसानी से हो जाए। मल्टी लेयर्ड पेंडेंट पार्टी के लिए एक अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं।

आपके दुल्हन लुक को और खास बना देंगे नथ के ये डिजाइन

शादी के दिन हर एक लड़की सबसे सुन्दर दिखना चाहती है। विशेष रूप से भारतीय दुल्हन अपनी शादी के बारे में बहुत सजग रहती हैं। शादी के दिन लड़कियां यही चाहती हैं कि सबका ध्यान उनकी तरफ ही होना चाहिए। इसलिए कपड़ों के साथ ही ज्वेलरी डिजाइंस को चुनना आपके लिए बहुत बड़ी मुसीबत का काम बन गया है तो चलिए हम



मल्टीपल चैन वाली

नथ: ऐसी नथ खासकर सांठ इंडियन कल्चर में ज्यादा देखी जा सकती हैं। लेकिन अगर आप ज्वेलरी डिजाइन के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो तीन चैन वाली नथ को पहनकर देखिए यह आपके चेहरे का लुक ही बदल देगी।

ब्रांज नथ:-

राजस्थान का ही एक और लुक है इस नथ का ये खास डिजाइन। इसे थ्योर गोल्ड से बनाया जाता है जो हल्का-सा डल लुक देता है।

हूप नथ:-

बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है। हाल में ट्रिष्ट धामी ने इस नथ को अपनी शादी में पहना था।

रिंग वाली नथ:- अगर आप बहुत सिम्पल सी नथ पहनना चाहती हैं तो रिंग वाली नथ ट्राई कर सकती हैं।

जड़ाऊ नथ:- राजस्थानी और मारवाड़ी दुल्हनों में इस नथ को पहनने का रिवाज है। जड़ी हुई नथ शादी के दिन बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़ाऊ लहंगे के साथ पहन सकती हैं।

त्योहारों के सीजन में स्टाइलिश दिखने के कुछ खास तरीके

त्योहारों का मौसम दस्तक देने ही वाला है। और इसके साथ ही शुरू होने वाली है जमकर शॉपिंग। त्योहारों के इस मौसम में फ्यूजन लुक अपनाएं जो आपको औरों से अलग दिखाने के साथ ही स्मार्ट लुक भी देगा। फैशन व लाइफस्टाइल ब्रांड 'वर्जोर डॉट कॉम' ने फ्यूजन कपड़ों के साथ त्योहारों में छ जाने के संबंध में ये सुझाव दिए हैं।



साड़ी लुक को बना देंगे बिल्कुल हटके!

स्लिटेड ब्लाउज- रेग्युलर ब्लाउज की बजाए ये हाई-स्लिटेड ब्लाउज कैरी करें। ये आपको कुर्ते जैसा लुक देगा। प्लेन साड़ी के साथ ये स्टाइलिश एम्बेलिशड ब्लाउज शानदार लगेगा। लीक से हटकर नजर आने के लिए सिल्वर हिंट के साथ कढ़ाई या प्रिंट वाली

मिडी ड्रेस पहन सकती हैं। त्योहारों का नए अंदाज में स्वागत करने के लिए आप खूबसूरत मैक्सी गाउन भी पहन सकती हैं। अगर आप अपने लुक को सिंपल लेकिन क्लासी रखना चाहती हैं तो जंप सूट पहन सकती हैं। आरामदायक कपड़े, हल्के या चटकर रंग के जंपसूट पहनने में सहज भी महसूस होते हैं।

छात्राएँ हों या शादीशुदा महिलाएँ, सबकी फेवरेट हैं कुर्तियाँ

मॉडर्न युग में कुर्तियाँ एक ऐसा पहनावा है, जिसे कॉलेज गोंग्स गर्ल्स से लेकर विवाहित महिलाएं भी पहनती हैं। फिर चाहे बात डेली वियर की हो या पार्टी वियर की, कुर्तियों के कलर, डिजाइंस व पैटर्न का कोई अंत नहीं है। आपको मार्केट से लेकर ऑनलाइन दुनिया में ढेरों स्टाइल की कुर्तियाँ मिल जाएंगी। खासतौर से, गर्मियों में तो इन्हें पहनकर आप न सिर्फ स्टाइलिश बल्कि कंफर्टेबल भी फील कर सकती हैं। अगर आप भी लेटेस्ट डिजाइन की ड्रेस पहनने की चाह रखती हैं।

टेल कट कुर्ती

इन्हें बतौर पार्टी वियर पहनना एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। खासतौर से, लेयर्ड पैटर्न की टेल कट कुर्ती तो बहुत ही खूबसूरत लगती है। इस प्रकार की कुर्तियों को टेल कट इसलिए कहा जाता है क्योंकि इनकी एक साइड शॉर्ट होती है, जिससे यह दूसरी ओर से टेल इफेक्ट देती है। अगर आप इंडियन लुक में ही कुछ वेस्टर्न वियर पहनना चाहती हैं तो टेल कट कुर्ती एक बहुत अच्छा ऑप्शन है।

इन दिनों मार्केट में टेल कट कुर्ती के काफी डिफरेंट डिजाइंस अवेलेबल हैं, जिन्हें पहनकर आप फ्लॉन्ट कर सकती हैं। इन कुर्तियों के साथ लेगिंग्स के अतिरिक्त जींस, जेगिंग्स या टेगिंग्स भी टीमअप किया जा सकता है। जहां तक बात ज्वेलरी की है तो इसके साथ आप स्टेटमेंट पीस, सनग्लासेस व फ्लैट्स या हाई हील्स भी पहन सकती हैं।

ए लाइन कुर्ती

ए लाइन कुर्ती यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर है। इस प्रकार की कुर्तियों में फ्लेयर कमर से शुरू होता है। जिससे कारण कुर्ती देखने में ए स्टाइल क्रिएट करती है। इसलिए इसे ए लाइन कुर्ती कहा जाता है। यह कुर्तियाँ डिफरेंट एंब्रायडरी, कलर्स व शेड्स में आसानी से मिल जाएंगी। यह केजुअल ओकेजन के लिए बेस्ट हैं और इन्हें भी आप जींस से लेकर जेगिंग्स व लेगिंग्स के साथ पहन सकती हैं। वहीं कुल लुक के लिए आप चंकी ज्वेलरी व फ्लैट्स पहनें।

अनारकली कुर्ती

अगर आप ऐसी कुर्ती पहनना चाहती हैं

तो आपको एलीगेंट व ग्रेसफुल लुक दें तो बेशक अनारकली कुर्ती आपको इस इच्छा की पूर्ति करेगी। इन कुर्तियों की खासियत यह है कि इन्हें डेली वियर से लेकर पार्टीवियर, केजुअल वियर या वेडिंग और टेंडेंशनल फंक्शन में आसानी से पहना जा सकता है। दूसरे शब्दों में, यह सभी ओकेजन के लिए एक प्रकार की बॉडी शैप पर अच्छी लगती है। इन्हें चूड़ीदार या लेगिंग्स के साथ पहनना अच्छा रहेगा। वहीं एसेसरीज में एथनिक ज्वेलरी, इंडियन जूती या फ्लैट्स व क्लच कैरी करें।

अंगरखा कुर्ती

इस डिजाइन की कुर्ती पिछले कुछ समय से काफी ट्रेंड में हैं। यह डेली वियर से लेकर फॉर्मल वियर व पार्टी वियर डिजाइंस में अवेलेबल है। इस प्रकार की कुर्तियों में साइड

साइड व डबल बन जूड़ा

साइड या डबल बन जूड़ा आपको टूट्टी लुक देने के साथ-साथ काफी कंफर्टेबल भी

धोती स्टाइल कुर्ती

आपने इन दिनों धोती स्टाइल का प्रयोग वूमन वियर में होते हुए अवश्य देखा होगा। हो सकता है आपने धोती स्कर्ट, धोती पैन्ट, धोती साड़ी या धोती गाउन पहना भी हो। लेकिन अगर आप किटी पार्टी, वेडिंग या किसी फेस्टिवल में अपने लुक के साथ थोड़ा एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो इस बार धोती स्टाइल कुर्ती पहनिए। यह देखने में थोड़ी ढीली व कंफर्टेबल होती है और यह आपको पार्टी में एक

में दो स्ट्रिप्स होती हैं तथा इन कुर्तियों का गला की डिजाइन में होता है।

अगर आप अपनी कुर्तियों को और भी स्टाइलिश बनाना चाहती हैं तो इनकी स्ट्रिप्स में बीड्स या हैंगिंग्स का प्रयोग भी कर सकती हैं। इनकी लेंथ भी आप अपने आर्काईंग तय कर सकती हैं। इन्हें जीन्स व लेगिंग्स के अतिरिक्त चूड़ीदार के साथ भी पहना जा सकता है। अंगरखा कुर्ती ट्रेडिशनल ज्वेलरी, लॉन्ग इयरिंग, जूती व क्लासी एंब्रायडेड क्लच के साथ काफी जंचती है।

धोती स्टाइल कुर्ती

आपने इन दिनों धोती स्टाइल का प्रयोग वूमन वियर में होते हुए अवश्य देखा होगा। हो सकता है आपने धोती स्कर्ट, धोती पैन्ट, धोती साड़ी या धोती गाउन पहना भी हो। लेकिन अगर आप किटी पार्टी, वेडिंग या किसी फेस्टिवल में अपने लुक के साथ थोड़ा एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो इस बार धोती स्टाइल कुर्ती पहनिए। यह देखने में थोड़ी ढीली व कंफर्टेबल होती है और यह आपको पार्टी में एक

साड़ी ब्लाउज को पैन्ट के साथ पहनने का चलन बढ़ा

जब भी ब्लाउज की बात आती है तो सबसे पहले साड़ी का ख्याल ही दिमाग में आता है। लेकिन फैशन के इस युग में डिजाइनर्स हमेशा ही कुछ नया करने की फिराक में रहते हैं। अगर आप भी अब तक ब्लाउज को सिर्फ साड़ी के साथ ही पहनती हैं तो अब कुछ नया ट्राई करें। अब ब्लाउज को साड़ी के साथ टीमअप करने का तरीका बेहद पुराना हो गया है। अगर आपका नाम भी उन महिलाओं की श्रेणी में है जो फैशनपरस्त हैं और जिन्हें हमेशा ही अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना अच्छा लगता है तो अब आप साड़ी को भूल जाइए और ब्लाउज को दीजिए एक नया अंदाज। तो आईए जानते हैं साड़ी ब्लाउज को टीमअप करने के नए तरीके के बारे में।

ब्लाउज विद पैन्ट

हाल ही में साड़ी ब्लाउज को पैन्ट के साथ पहनने का चलन काफी है। अब साड़ी के लुक को एक डिफरेंट और मॉडर्न टच देने के लिए इस लुक में पैन्ट्स का प्रयोग होने लगा है। इतना ही नहीं, पिछले दिनों डिजाइनर्स ने स्लिम पैन्ट्स विद साड़ी ब्लाउज और साड़ी का फ्यूजन रैम्प पर पेश किया था। इस लुक में लोअर वियर में पेटीकोट के स्थान पर स्लिम पैन्ट्स पहनी जाती है। साथ ही लुक को भी डिफरेंट स्टाइल में डेप भी किया जाता है। इस तरह एक छोटे से बदलाव के जरिए एक इंडियन वियर को स्टाइलिश व मॉडर्न टच मिल जाता है।



ब्लाउज विद धोती पैन्ट्स

वैसे साड़ी ब्लाउज सिर्फ स्लिम पैन्ट्स के साथ ही नहीं जंचता, बल्कि इसे धोती पैन्ट्स के साथ पहनना भी एक अच्छा आइडिया हो सकता है। आप चाहें तो साड़ी ब्लाउज के उपर जैकेट भी पहन सकती हैं। इंडियन-वेस्टर्न का यह कॉम्बिनेशन बॉलीवुड के गलियारों में काफी प्रचलित है। कई बॉलीवुड दिवा जैसे सोनम कपूर आदि इस स्टाइल को अक्सर कैरी किए नजर आती हैं। वैसे इसके साथ आप हवी ज्वेलरी पहनकर अपनी खूबसूरती में चार-चांद लगा सकती हैं। इतना ही नहीं, इसे आप किसी फैशन इवेंट या पार्टी में भी पहन सकती हैं।

साड़ी ब्लाउज विद स्कर्ट्स

अगर आप टूट्टी ब्लाउज पहनने की शौकीन हैं तो इस साल ट्रेंड में रहे ऑफ शोल्डर ब्लाउज या स्लीवलेस ब्लाउज को लॉन्ग स्कर्ट्स या सेरोंग के साथ भी पहन सकती हैं। अपने लुक को एन्हेंस करने के लिए आप लाइट वेट स्टेटमेंट ज्वेलरी भी इसके साथ कैरी कर सकती हैं। यह पैटर्न स्कर्ट के अतिरिक्त प्लेन स्कर्ट के साथ भी खूब फसल है। वैसे इन दिनों फैशन डिजाइनर्स ब्लाउज को शॉर्ट व लॉन्ग स्कर्ट के साथ टीमअप करके साड़ी को बतौर दुपट्टा पल्लू इस्तेमाल कर रहे हैं। यह एकदम नया व डिफरेंट लुक है।

ब्लाउज विद लहंगा

वैसे तो ब्लाउज को लहंगे के साथ पहनने का चलन काफी पुराना है। लेकिन अगर आप किसी फंक्शन में अपनी किसी दोस्त या बहन का लहंगा पहनना चाहती हैं तो उसके साथ अपना साड़ी ब्लाउज पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है। इससे आपको पुराने लहंगे में ही एक न्यू लुक मिल जाएगा। वैसे आप इस लहंगे के साथ दुपट्टा कैरी करें या नहीं। यह पूरी तरह आपकी इच्छा पर निर्भर करता है।

यंग और नव-विवाहिताओं के लिए कुछ आकर्षक हेयर स्टाइल



बॉट कर फेंच ब्रेडिंग बनाया जाता है। ब्रेडस को बॉबी पिन द्वारा पिनअप किया जाता है। वहीं फेंच ब्रेड भी बहुत ही सुंदर व क्लासी लगती है। इसे बनाने के लिए बालों को तीन भाग में बांट कर केन्द्र पर इसे क्रॉस करते हुए नियमित रूप से चोटी की कुछ ब्रेड्स बनाई जाती है। इस प्रकार के ब्रेड से एक वर्सेटाइल लुक मिलता है। बॉटरफॉल ब्रेड में आधे बालों के ब्रेड्स बनाए जाते हैं और बाकी बालों को खुला छोड़ दिया जाता है। इस प्रकार की चोटी को बनाने के लिए पहले नियमित रूप से फेंच चोटी बनाई जाती है। ब्रेडिंग की सबसे बड़ी खासियत यही है कि यह इंडियन के साथ-साथ वेस्टर्न और इंडो-वेस्टर्न आउटफिट्स के साथ भी अच्छी लगती है।

साइड व डबल बन जूड़ा

साइड या डबल बन जूड़ा आपको टूट्टी लुक देने के साथ-साथ काफी कंफर्टेबल भी

रहता है। साइड बन में पहले बालों को कर्ल किया जाता है तथा उससे साइड में बन बनाया जाता है। वहीं डबल बन जूड़ा बनाने के लिए बालों को दो भागों में बांट दें। एक भाग के बालों को छोटा बन डाल कर पोनी बनाएं। दूसरे भाग के बालों का भी छोटा बन डाल कर पहली पोनी से थोड़ी उपर की ओर पोनी बनाएं। पहली पोनी को रोल कर साइड से पिन लगा कर सैट करें। दूसरी पोनी को पहली पोनी के रोल से नीचे लाकर ऊपर लाएं और पिन से सैट करें। बालों के बीच में जहां थोड़ी जगह दिखती हो, फैंसी मोतीनुमा पिन से जूड़ा सजाएं।

पोनीटेल

यह हेयर स्टाइल सुनने में बहुत ही आम लगता है लेकिन यही एक ऐसा ट्रेडिशनल हेयर स्टाइल है जिसे अलग-अलग तरीकों से बांधकर हर दिन एक नया लुक आजमाया जा सकता है। पोनीटेल



बांधने से पहले अपनी बालों की टाइप का अवश्य ध्यान रखें। अगर आपके बाल सीधे हैं तो बिल्कुल हाई पोनीटेल बांधें। वहीं अगर आपके बाल कर्ली हैं तो साइड में पोनीटेल आपको बिल्कुल चिक वाला लुक देगा। साइड पोनीटेल बांधते समय बालों को लंबा दिखाने के लिए इसे बिल्कुल ढीला बांधें।

लूज हेयर

आजकल लूज हेयर का भी काफी

चलन है। इसमें आप स्ट्रेनिंग व कलिंग ट्राई कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त अगर आप थोड़ा डिफरेंट लुक चाहती हैं तो आगे के बालों को टिक्टस करके पिनअप करें। आगे के बालों में हेयर एसेसरीज आपके लुक को और भी सुंदर बना देगी। साथ ही पोछे के बालों को कर्ल करके लूज छोड़ दीजिए। अगर कर्ल खुल भी जाएंगे तो भी बालों की वाल्यूम ही देंगी। यंग गर्ल्स व नवविवाहित स्त्रियों पर यह लुक बहुत ही जंचता है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही नई गति

सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक कृषि के प्रोत्साहन से अन्नदाता का हो रहा कल्याण

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास, किसान कल्याण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने कृषि, सिंचाई, जल संरक्षण, पशुपालन, आधारभूत ढांचे और राजस्व ग्रामों के विकास जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज कर ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को नई गति दी है। योजनाओं और नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से भाजपा सरकार ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के पहले 34 माह के साथ-साथ पूरे पांच वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को कई गुना तक पीछे छोड़ बड़े कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

नहरी तंत्र से सृजित सिंचाई सुविधा में पौने तीन गुना तक वृद्धि- प्रदेश में किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी क्रम में भाजपा सरकार ने 34 माह में 1 लाख 42 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में नहरी तंत्र से सृजित सिंचाई सुविधा का विस्तार किया है, जबकि कांग्रेस सरकार के पहले 34 माह में यह आंकड़ा 35 हजार 909 हेक्टेयर तथा पांच वर्ष में 52 हजार 182 हेक्टेयर था। इस प्रकार वर्तमान सरकार ने कांग्रेस के पांच वर्ष के कार्यकाल की तुलना में लगभग पौने तीन गुना अधिक क्षेत्र में नहरी सिंचाई सुविधा सृजित की है। भाजपा सरकार ने पाइपलाइन पर अनुदान देकर अब तक के कार्यकाल में 98 हजार 753 किसानों को लाभान्वित किया है, जबकि इस दौरान पूर्ववर्ती सरकार के समय में केवल 67 हजार 410 किसान ही लाभान्वित हुए।

ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर से मिल रहा कृषि को प्रोत्साहन- जल संरक्षण और आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए भाजपा सरकार ने ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया है। इन प्रणालियों की स्थापना के माध्यम से अब तक 3



लाख 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को लाभान्वित किया गया है। वहीं, कांग्रेस सरकार के 34 महीनों में 29 हजार 609 हेक्टेयर और पांच वर्ष में 1 लाख 83 हजार हेक्टेयर क्षेत्र लाभान्वित हुआ था। इस प्रकार भाजपा सरकार ने कांग्रेस के पांच वर्ष की तुलना में लगभग 1.7 गुना उपलब्धि हासिल की है। वहीं, किसानों को दिए जाने वाले अनुदान में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्तमान सरकार के पहले 34 माह में ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर प्रणालियों पर 1 हजार 304 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया, जबकि कांग्रेस सरकार के पूरे पांच वर्ष में यह राशि 842 करोड़ ही रही।

खेतों की सुरक्षा पर विशेष जोर, 445 लाख मीटर तारबंदी- फसलों को आवांरा पशुओं से होने वाले नुकसान से बचाने के उद्देश्य से खेतों की तारबंदी योजना को भी गति दी गई है। भाजपा सरकार ने पहले 34 माह में 445 लाख मीटर तारबंदी कराई, जबकि कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष में यह आंकड़ा 113 लाख मीटर रहा।



इस प्रकार तारबंदी के क्षेत्र में वर्तमान सरकार की उपलब्धि कांग्रेस के पांच वर्ष की तुलना में लगभग चार गुना है। किसानों को तारबंदी के लिए दिए गए अनुदान में भी बड़ा अंतर सामने आया है। भाजपा सरकार 34 माह में 511 करोड़ रुपये का अनुदान दे चुकी है, जबकि कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष में यह राशि 113 करोड़ रुपये पर ही सीमित रही थी। यह किसानों की फसल सुरक्षा और कृषि लागत के बोझ को कम करने

की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

फार्म पॉण्ड से वर्षा जल संचयन बढ़ा, लागत कम- राज्य सरकार ने खेतों में वर्षा जल संग्रहण और सिंचाई के लिए जल उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से फार्म पॉण्ड निर्माण को प्रोत्साहित किया है। इससे किसानों की लागत में भी कमी आई है। भाजपा सरकार के पहले 34 माह में 35 हजार 893 फार्म पॉण्ड बनाए गए, जबकि कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष में 29 हजार 430 फार्म पॉण्ड का निर्माण हुआ। इसी प्रकार राज्य सरकार फार्म पॉण्ड के लिए किसानों को 369 करोड़ रुपये का अनुदान दे चुकी है, जबकि कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष में यह राशि 202 करोड़ रुपये थी।

पानी की बचत और सिंचाई दक्षता बढ़ाने के लिए फव्वारा सिंचाई संयंत्रों पर भी निरंतर अनुदान दिया जा रहा है। राज्य सरकार के पहले 34 माह में इस मद में 393 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया, जबकि कांग्रेस सरकार के

पांच वर्ष में 238 करोड़ रुपये दिए गए थे।

सोलर पम्प सेट से किसानों को ऊर्जा के वैकल्पिक साधन- कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सोलर पम्प सेट की स्थापना पर भी सरकार ने ध्यान केंद्रित किया है। इसी का परिणाम है कि राज्य सरकार ने 34 माह में 67 हजार 408 सोलर पम्प सेट स्थापित किए हैं। वहीं, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष में 63 हजार 140 सोलर पम्प सेट स्थापित हुए थे।

10 लाख 91 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में शेडनेट हाउस स्थापित- किसानों की आय में वृद्धि और आधुनिक कृषि तकनीकों के विस्तार के लिए संरक्षित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। 34 माह के कार्यकाल में भाजपा सरकार 10 लाख 91 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में शेडनेट हाउस स्थापित कर चुकी है। जबकि कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष में यह क्षेत्रफल 8 लाख 60 हजार वर्ग मीटर था। इसी प्रकार शेडनेट हाउस निर्माण के लिए किसानों को दिए जाने वाले अनुदान में भी बढ़ोतरी हुई है। कांग्रेस सरकार के पांच वर्ष में कुल 15.78 करोड़ रुपये के विरुद्ध भाजपा सरकार पहले 34 माह में 45 करोड़ रुपये का अनुदान दे चुकी है।

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार- राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए राज्य सरकार ने पशु चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया है। इसी क्रम में भाजपा सरकार में 55 बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन हुआ है, जबकि कांग्रेस सरकार के 34 माह में इस श्रेणी में एक भी क्रमोन्नयन नहीं हुआ। इसी प्रकार, वर्तमान सरकार 117 पशु चिकित्सालयों को प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों में क्रमोन्नत कर चुकी है। जिसकी तुलना में कांग्रेस सरकार ने पहले 34 माह में केवल तीन ही पशु चिकित्सालयों को क्रमोन्नत किया था।

181 राजस्थान संपर्क पोर्टल का निरीक्षण: शासन सचिव ने आम नागरिक बनकर परखी व्यवस्था

जयपुर (कासं)। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने गुरुवार को 181 राजस्थान संपर्क पोर्टल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पोर्टल की कार्यप्रणाली को बारीकी से परखा और स्वयं फोन कॉल के जरिए दर्ज कराई गई शिकायतों का हाथों-हाथ समाधान भी सुनिश्चित करवाया।

स्वयं कॉल कर जांची व्यवस्थाएं- शासन सचिव जैन ने एक आम नागरिक की तरह 181 पर कॉल कर पोर्टल की व्यवस्थाओं का जमीनी जायजा लिया। उन्होंने कॉल प्रतिनिधि से मिले सकारात्मक फीडबैक को सराहना की। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि 181 पर बड़ी संख्या में प्रकरण प्राप्त हो रहे हैं और समस्या समाधान का स्तर भी बढ़ रहा है, जिससे संपर्क पोर्टल की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

वीसी के जरिए दूर हुई सीवरेज की समस्या- निरीक्षण के दौरान चित्तौड़गढ़ से सीवरेज का पानी सड़क पर फैलने की शिकायत दर्ज कराई गई। इस पर शासन सचिव ने तत्काल वीसी के माध्यम से अधिशासी अभियंता जितेंद्र मोणा को सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने गर्भवती महिलाओं एवं अन्य जरूरतमंद मरीजों के लिए संचालित 104 जननी एक्सप्रेस तथा आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा 108 की उपलब्धता की समीक्षा की। 19 अक्टूबर 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इन सेवाओं के माध्यम से कुल 39,436 ट्रिप दर्ज किए गए।

बसों का ठहराव सुनिश्चित करने और जीपीएस मॉनिटरिंग के निर्देश- जयपुर के महेंद्र



सैनी ने गोनेर के ठाणे स्थित बस स्टैंड होने के बावजूद बसें नहीं रुकने की शिकायत दर्ज कराई। इस पर शासन सचिव ने संबंधित अधिकारी से सीधी बात की। उन्होंने संबंधित रूट की बसों का स्तर भी बढ़ रहा है, जिससे संपर्क पोर्टल की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

शिकायतों के निस्तारण के लिए बनेगा पृथक सेल- शासन सचिव जैन ने संपर्क पोर्टल पर दर्ज होने वाली शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निदान के लिए विभाग में अलग से सेल स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित के मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए और शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। इस दौरान स्वायत्त शासन विभाग के अतिरिक्त निदेशक अशोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के सुदृढ़ीकरण के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम

विगत एक माह में 19 मेडिकल कॉलेजों और 58 जिला अस्पतालों में शून्य मातृ मृत्यु दर्ज

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। प्रसव पूर्व देखभाल, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) की समय पर पहचान एवं प्रबंधन, नियमित मॉनिटरिंग तथा गुणवत्तापूर्ण प्रसव सेवाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समीक्षा बैठक में प्राप्त जानकारी के अनुसार, अक्टूबर माह में 19 मेडिकल कॉलेजों एवं 58 जिला अस्पतालों में शून्य मातृ मृत्यु दर्ज होना सकारात्मक उपलब्धि है। वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में प्रसव पूर्व देखभाल सेवाओं, एचआरपी की पहचान एवं प्रबंधन, मातृ मृत्यु, मांड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, दवाओं एवं सर्जिकल आइटम्स की उपलब्धता तथा रेफरल परिवहन सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने मेडिकल कॉलेजों के अधीक्षकों, गायनी विभागाध्यक्षों, संयुक्त निदेशकों एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से चर्चा कर फीडबैक लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि गर्भवती



महिलाओं को समय पर प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) सेवाएं उपलब्ध कराना तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनका उचित उपचार एवं फॉलोअप सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। अक्टूबर माह में 11,928 एएनसी पंजीकरण दर्ज किए गए तथा 6,175 उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को एएनसी कवरेज प्रदान किया गया। उन्होंने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को माह में दो बार समीक्षा बैठक आयोजित कर एचआरपी की पहचान, प्रबंधन एवं फॉलोअप की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में मांड्यूलर ऑपरेशन थियेटर (ओटी) के निर्माण तथा पुराने ऑपरेशन थियेटरों को मांड्यूलर ओटी में अपग्रेड करने के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2026-27 में प्रदेश के 35 मेडिकल

कॉलेजों में मांड्यूलर ओटी का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने नए मांड्यूलर ओटी के निर्माण एवं पुराने ओटी के अपग्रेडेशन के लिए प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव ने मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य अस्पतालों में दवाओं और सर्जिकल आइटम्स की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मरीजों को उपचार के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी अस्पतालों में आवश्यक दवाओं आयोजित कर एचआरपी की पहचान, प्रबंधन एवं फॉलोअप की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में मांड्यूलर ऑपरेशन थियेटर (ओटी) के निर्माण तथा पुराने ऑपरेशन थियेटरों को मांड्यूलर ओटी में अपग्रेड करने के कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2026-27 में प्रदेश के 35 मेडिकल

केंद्रीय दल ने राजस्थान में केंद्रीय योजनाओं की प्रगति को सराहा

जयपुर (कासं)। राजस्थान में पशुपालन विभाग के अंतर्गत चल रही विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं की जमीनी हकीकत और प्रगति का जायजा लेने आया केंद्र सरकार के तीन सदस्यीय विशेष दल का दौरा आज संपन्न हो गया। राष्ट्रीय पशुधन मिशन केंद्र सरकार की एक बेहद महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी योजना है जिसे पशुपालन, मत्स्य एवं गोपालन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में प्रमुखता से लागू किया जा रहा है। केंद्र सरकार के तीन सदस्यीय विशेष दल ने इस संबंध में विकास सीतारामजी भाले, प्रमुख शासन सचिव और दिनेश कुमार जांगिड़, संयुक्त सचिव के साथ भी विस्तृत चर्चा की।

इस उच्च स्तरीय दल ने 16 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक राज्य के विभिन्न जिलों का सघन भ्रमण कर योजनाओं का व्यापक फीडबैक लिया। दौरे के समापन पर अवधीक्षकों, केंद्रीय समीक्षा बैठक में केंद्रीय दल ने राजस्थान में पशुपालकों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया। टीम ने राज्य में हुए कार्यों की सराहना करते हुए मुख्य रूप से मोबाइल वेटनरी यूनिट, पशु बीमा कार्य तथा टीकाकरण अभियान को उत्कृष्ट बताते हुए राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत संचालित इंटरप्रेनोर्शिप डेवलपमेंट प्रोग्राम योजना की भी सराहना की।

उत्तर पश्चिम रेलवे में व्यापक स्तर पर आयोजित हुए 'रेल जन संवाद' कार्यक्रम

यात्रियों से सीधा संवाद कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई, रेल सुविधाओं एवं समस्याओं पर लिया फीडबैक

जयपुर (कासं)। रेलवे में स्वच्छता को बढ़ावा देने तथा रेल परिसरों और ट्रेनों में साफ-सफाई की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत उत्तर पश्चिम रेलवे में व्यापक स्तर पर स्वच्छता संबंधी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर, अजमेर, जोधपुर एवं बीकानेर मंडलों के सभी स्टेशनों पर 'रेल जन संवाद' कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनके माध्यम से यात्रियों एवं आमजन से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा रेल यात्रा से जुड़े उनके अनुभवों, सुझावों और समस्याओं की जानकारी प्राप्त की गई। रेल जन संवाद के दौरान यात्रियों को रेल परिसर एवं ट्रेनों में



स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, स्वच्छ एवं स्वस्थ रेल वातावरण के निर्माण में प्रत्येक यात्री की सहभागिता के महत्व पर भी जोर दिया गया। यात्रियों से बातचीत के दौरान रेल सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया गया तथा यात्रा के दौरान सामने आने वाली

रेलवे तथा रवि जैन, मंडल रेल प्रबंधक, जयपुर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने यात्रियों से संवाद कर स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने और रेल परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। जयपुर मंडल के कुल 37 स्टेशनों पर रेल जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अजमेर मंडल में 18 स्टेशनों पर रेल जन संवाद के माध्यम से यात्रियों से उनके रेल यात्रा के अनुभवों, उपलब्ध सुविधाओं तथा समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। राजू भूतड़ा, मंडल रेल प्रबंधक, अजमेर ने अजमेर एवं ब्यावर रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों से संवाद किया। उन्होंने अजमेर से ब्यावर के बीच ट्रेन में यात्रा कर यात्रियों से फीडबैक भी लिया।

न्यूज़ इनबॉक्स

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

20 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 6 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (कासं)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में गुरुवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में वीटी रोड़ मध्यम मार्ग, विजयपथ, पिप्रापथ मानसरोवर, गोल्यावास मानसरोवर, संजय नगर शनि मन्दिर, प्रधान मार्ग मालवीय नगर एवं सेक्टर-8 प्रताप नगर से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 20 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 6 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में वीटी रोड़ मध्यम मार्ग, विजयपथ, पिप्रापथ मानसरोवर, गोल्यावास मानसरोवर, संजय नगर शनि मन्दिर, प्रधान मार्ग मालवीय नगर एवं सेक्टर-8 प्रताप नगर से अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 6 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 20 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

जयपुर में पर्यटन सहायता बल बनी सैलानियों की मददगार

बिछड़ा बेटा मिला, छूटी ट्रेन के बाद मिला सहारा, खोया पर्स भी लौटाया

जयपुर। राजस्थान में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा और सहायता के लिए तैनात राजस्थान पुलिस की पर्यटन सुरक्षा बल लगातार अपनी बेहतरीन कार्यशैली से न केवल काफ़ूत व्यवस्था संभाल रही है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की अनूठी मिसाल भी पेश कर रही है। इसी क्रम में पर्यटन पुलिस की टीम ने तीन अलग-अलग मामलों में पर्यटकों को तत्काल मदद उपलब्ध कराई, जिस पर पर्यटकों ने वीडियो संदेश जारी कर पुलिस का आभार जताया। हैदराबाद से जयपुर घूमने आए अहमद नदीमुद्दीन का बेटा अमेर में भ्रमण के दौरान भीड़ में बिछड़ गया था। सूचना मिलने पर पर्यटन पुलिस की महिला कर्मिकों ने तत्परता से बच्चे की तलाश की और उसे सकुशल पिता से मिलवाया। बेटे के मिलने पर भावुक नदीमुद्दीन ने पुलिस टीम का बार-बार धन्यवाद करते हुए कहा कि पुलिस ने बहुत अच्छी सेवा दी और वे बहुत खुश हैं।

ट्रेन छूटने पर सुंबई के पर्यटकों को दिलाई राहत

सुंबई से आए पर्यटकों की ट्रेन छूट गई थी और किसी भी ट्रेन में स्थान उपलब्ध नहीं था। ऐसे में पर्यटन पुलिस को कार्मिक रीतू और पर्यटन पुलिस टीम ने उनकी हरसंभव मदद की। उन्होंने आगे की यात्रा के लिए आवश्यक संपर्क और ट्रेन टिकट की व्यवस्था करवाने में सहयोग किया तथा पर्यटकों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा। पर्यटकों ने कहा कि वे बाहर से आए होने के कारण स्थानीय जानकारी नहीं रखते थे, ऐसे में पर्यटन पुलिस की टीम का सहयोग उनके लिए बहुत मददगार रहा।

जतर मंतर पर खोया पर्स लौटाया

गुरुवार 22 अक्टूबर को दोपहर करीब 3 बजे जंतर मंतर के टिकट काउंटर के पास एक पर्यटक का पर्स खो गया था। पर्यटन पुलिस कर्मियों ने पर्स तलाश कर पर्यटक को बुलाकर उसे सौंप दिया। पर्स वापस मिलने पर पर्यटक ने राजस्थान पुलिस और पर्यटन पुलिस के प्रति गर्व व्यक्त किया और राज्य सरकार से ऐसे पुलिसकर्मियों को सम्मानित किए जाने की अपेक्षा जताई। राजस्थान आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन सहायता बल सदैव तत्पर है। पर्यटकों के विश्वास और संतोष से टीम का मनोबल बढ़ता है तथा आगे भी इसी समर्पण से सेवा जारी रखी जाएगी।

पर्यटकों की सहायता के लिए ट्रस्ट पुलिस स्टेशन, जयपुर के संपर्क नंबर-

9दूरभाष: 0141-2600336
9 सीयूजी नंबर: 8764868070
9 कंट्रोल रूम: 0141-2388438,
0141-2388430

कार्यालय नगर विकास न्यास, भीलवाड़ा

क्रमांक :- तहसीली/2026-27/2494 - 2501

दिनांक :- 16/10/2026

अपकालीन ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या 21/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए नगर विकास न्यास, भीलवाड़ा में उपयुक्त श्रेणी में, विभिन्न विभागों में ए एवं एए श्रेणी (सिविल कार्यों) एवं विद्युत कार्यों हेतु नगर विकास न्यास, भीलवाड़ा में उपयुक्त श्रेणी में एवं विभिन्न विभागों में ई-डब्ल्यू.एस.डी.-कैटेगरी में पंजीकृत संवेदक/सलायन से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से वेब साईट <https://eproc.rajjasthan.gov.in> पर ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

पार्ट	निविदा की क्र.सं.	विक्रय / डाउनलोड / प्राप्ति तिथि	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि
A	01 से 02	16.10.2026 से 23.10.2026 प्रातः 9.30 से दोपहर 1.00 बजे तक। UBN : UTB2627WSOB00141 - 142	23.10.2026 को दोपहर 01:00 बजे

नोट :- निविदा सूचना से सम्बंधित समस्त विवरण <http://sppp.rajjasthan.gov.in> व <https://eproc.rajjasthan.gov.in> पर देखा जा सकता है जो कि आज दिनांक को अपलोड कर दिया गया है। संवेदक द्वारा न्यास कार्यालय में निविदा विक्रय तिथि में किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक निविदा प्रपत्र को देखा जा सकता है।

अधिसूचना अतिरिक्त

राज.सं.वी.सी/26/12259

नगर विकास न्यास, भीलवाड़ा



OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF
ENGINEER, PHED JAIPUR REGION-II, Jaipur

Email:-acerregion2jpr.phed@rajasthan.gov.in

No:-ACE-II/Ar.(S)/2026-27/18565-88

Phone No:- 0141-2702700

Date:- 14/10/2026

Corrigendum No.

1 For This office NIT No. 19/2026-27

Name of Work:-Package IV (work under City Dn. I (South) Jaipur) work of Strengthening and improvement in the water supply distribution network under the jurisdiction of Jaipur Nagar Nigam Heritage under AMRUT 2.0"

S. No.	Tender Clause	Existing Provision	Modified Provision
1	निविदा सूचना क्रमांक 8058-97 दिनांक 07.10.2026	Tender Fee (Rs.) 2500/-	Tender Fee (Rs.) 10000/-
2	List of Specified Makes.	Rajkaj reference no. 22363576 Dated 21.05.2026	Rajkaj reference no. 24113719 18.08.2026 List of which is enclosed on www.eproc.rajjasthan.gov.in www.sppp.rajjasthan.gov.in

(Ajay Singh Rathore)
Additional Chief Engineer
PHED Jaipur Region-II, Jaipur

DIPR/C/17783/2026.